

तीकुर पुं. (देश.) तीसरा भाग, तिहाई, तीन भागों में फसल का बँटवारा।

तीक्षण वि. (तद्.) दे. तीक्ष्ण।

तीक्ष्ण वि. (तद्.) दे. तीक्ष्ण।

तीक्ष्ण वि. (तत्.) तेज, प्रखर, तीव्र 2. चटपटा 3. तेज नोक या धार वाला 4. कठोर पुं. (तत्.) विष, जहर 2. इस्पात, लोहा 3. समुद्री नमक 4. नक्षत्रों का एक गण।

तीक्ष्ण कंटक पुं. (तत्.) 1. धतूरे का पेड़ 2. बबूल 3. करील का पेड़।

तीक्ष्ण कंटका स्त्री. (तत्.) कंथारी का पेड़।

तीक्ष्णक पुं. (तत्.) पीली सरसों।

तीक्ष्णता स्त्री. (तत्.) तीक्ष्ण होने का भाव, तीव्रता।

तीक्ष्ण दंत पुं. (तत्.) तेज, नुकीले दाँतों वाला जानवर।

तीक्ष्ण दृष्टि वि. (तत्.) सूक्ष्म दृष्टि वाला।

तीक्ष्ण बुद्धि वि. (तत्.) जिस की बुद्धि तीक्ष्ण हो।

तीक्ष्णांशु पुं. (तत्.) सूर्य।

तीक्ष्णा स्त्री. (तत्.) 1. बच 2. सर्प कंकाली वृक्ष 3. मिर्च 4. जोंक।

तीक्ष्णाग्नि स्त्री. (तत्.) 1. जठराग्नि 2. अजीर्ण रोग।

तीक्ष्णायस पुं. (तद्.) इस्पात।

तीखर पुं. (तद्.) दे. तीखुर।

तीखा वि. (तद्.) 1. तीक्ष्ण 2. तेज धार वाला 3. प्रचंड, उग्र।

तीखापन पुं. (तद्.) तीक्ष्णता, पैनापन।

तीखुर पुं. (तद्.) तवखीर, एक प्रकार का कंद जिसका सत्व मिठाई, खीर आदि बनाने के काम आता है।

तीखुन पुं. (तद्.) दे. तीखुर।

तीज स्त्री. (तद्.) प्रत्येक मास की तीसरी तिथि 2. हरतालिका व्रत-भादों सुदी की तीज।

तीजा पुं. (देश.) मुसलमानों में मृत्यु के बाद का तीसरा दिन वि. तीसरा।

तीतर पुं. (तद्.) एक पक्षी, जिसे लड़ाने के लिए पाला जाता है।

तीता वि. (तद्.) जिसका स्वाद तीखा और चटपटा हो। तिक्त।

तीन वि. (तद्.) दो और एक पुं. दो और एक की संख्या।

तीनि वि. (देश.) दे. तीन।

तीनी स्त्री. (तत्.) तिनी का चावल।

तीमार स्त्री. (फा.) रोगी की देखभाल, सेवा सुश्रूषा।

तीमार दार वि. (फा.) रोगी की सेवा करने वाला।

तीमारदारी स्त्री. (फा.) रोगी की सेवा करने का काम।

तीय स्त्री. (तद्.) स्त्री, नारी, औरत।

तीया स्त्री. (तद्.) दे. तीय।

तीरंदाज पुं. (फा.) तीर चलाने वाला धनुर्धर।

तीर पुं. (तत्.) नदी का किनारा पुं. (फा.) बाण मुहा. तीर चलाना- कोई व्यक्ति भिड़ाना प्रयो. उसने तीर तो बहुत अच्छा चलाया था लेकिन काम नहीं बना पुं. (देश.) जहाज का मस्तूल वि. पारंगत, जानकार।

तीरथ पुं. (तद्.) दे. तीर्थ।

तीरथ पति पुं. (तद्.+तत्.) तीर्थराज प्रयाग।

तीरित वि. (तत्.) तय किया हुआ, निर्णीत।

तीरु पुं. (तत्.) 1. शिव, महादेव 2. शिव की स्तुति।

तीर्ण वि. (तत्.) 1. उत्तीर्ण 2. जो पार कर चुका हो।

तीर्णा स्त्री. (तत्.) एक छंद विशेष, जिसके एक चरण में एक नगण और एक गुरु होता है।